Video #786

Resources by Dhruv Rathee

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
1	August 1991, America के Phoenix शहर का Barrow Neurological Institute. यहां एक operating room में एक 35 साल की songwriter Pam Reynolds लेटी हुई हैं। Pam के brain में एक नस गुब्बारे की तरह फूल चुकी है और कभी भी फट सकती है। Doctors Pam से कह चुके हैं कि उनके पास बहुत कम वक्त है।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
2	इस operation के लिए machines से उनका heart रोक दिया जाता है और फिर उनके सिर को खोलकर Brain से सारा खून बाहर निकाला जाता है।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
3	Operation के वक़्त Pam की आंखों पर tape लगी होती है और दोनों कानों में छोटे-छोटे speakers fit होते हैं, जो लगातार clicking sounds के जरिए brain का response नाप रहे हैं। लेकिन उनके Brain से कोई response नहीं मिल रहा। कोई भी activity नहीं, कोई brain waves नहीं, कुछ भी ऐसा नहीं, जिसे detect करके कहा जा सके कि Pam जिंदा हैं। Medical science की हर definition के हिसाब से उस समय Pam मर चुकी थीं।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
4	उनका ये operation successful होता है, और Pam वापस होश में आती हैं। लेकिन होश में आने के बाद Pam ने जो कहा, उसने वहाँ के सभी doctors को shock कर दिया।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
5	Pam ने कहा कि वो ये पूरा operation ऊपर से देख रही थीं। उन्होंने operation theatre में हुई हर एक चीज को बिल्कुल वैसे ही describe किया, जैसी वो असल में थी। उन्होंने उस हड्डी काटने वाली आरी की भी exact shape बताई, जिससे उनके सिर का operation किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने surgery के दौरान operation theatre में हुई बातचीत भी दोहरा दी।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
6	Pam ने कहा कि उस वक्त उन्हें कोई दर्द, कोई suffering, डर, anxiety, कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
7	4 साल से ये prove करने की कोशिश कर रहे थे कि आत्मा real होती है। उनका logic simple था। अगर आत्मा सच में होती है, तो उसे space occupy करना चाहिए और जो चीज space occupy करती है, उसका वजन होता है। उन्होंने सोचा कि क्यों न एक इंसान का ठीक मौत के वक्त वजन तौला जाए, जब आत्मा उसका शरीर छोड़ रही हो। अगर जरा सा भी वजन गिरता है तो ये वजन आत्मा का होगा।	Book: Spook	https://amzn.in/d/0bEiDCIT
8	MacDougall ने एक experiment plan किया। उन्होंने एक बड़े तराजू पर पूरी चारपाई fit कराई और उस पर TB के एक मरते हुए मरीज को लिटा दिया। और फिर जैसे ही उस मरीज की मौत हुई, तराजू की सुई नीचे गिरी और शरीर का वजन अचानक से three-fourths of an ounce, यानी लगभग 21 grams कम हो गया।	Book: Spook	https://amzn.in/d/0bEiDCIT

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
9	इस 21 grams को आत्मा का वजन बताया गया और ये बात आज तक pop culture में जिंदा है। Hollywood ने तो '21 grams' नाम से एक पूरी movie बना दी। MacDougall ने कुल 6 मरीजों पर ये same experiment किया और 1907 में अपनी findings 'American Medicine' journal में publish कीं।	Book: Spook	https://amzn.in/d/0bEiDCIT
10	लेकिन study publish होते ही इस पर सवाल उठने लगे। Critics ने कहा कि वजन में ये गिरावट पसीने और सांस में मौजूद water vapor के evaporate होने की वजह से थी। (Spook, P59) critics को शांत करने के लिए MacDougall ने अपने barn में तराजू लगाकर 15 कुत्तों पर यही experiment किया। लेकिन एक भी कुत्ते का वजन मौत पर नहीं गिरा। और यहां MacDougall ने वो किया, जो किसी scientist को कभी नहीं करना चाहिए। आत्मा के वजन की अपनी theory पर re-think करने की जगह MacDougall ने कहा कि Bible के हिसाब से जानवरों में आत्मा होती ही नहीं, इसलिए कुत्तों का मौत के वक्त वजन नहीं गिरा।	Book: Spook	https://amzn.in/d/0bEiDCIT
11	साल 1965, University of Virginia के एक student Raymond Moody की मुलाकात एक professor से होती है, जो उनको बताते हैं कि उनकी 2 बार मौत हो चुकी है और साथ ही ये बताते हैं कि मरने के बाद उनके साथ क्या हुआ था।	Book: Life After Life	https://a.co/d/074Li2dg
12	तो उनको एक student ने अपनी दादी के बारे में लगभग similar कहानी सुनाई। 2 अलग लोगों के एक जैसे experience ने Moody के कान खड़े कर दिए।	Book: Life After Life	https://a.co/d/074Li2dg

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
13	इसके बाद Moody ने इस तरह के cases इकठ्ठा करने शुरू कर दिए। कई सालों में उन्होंने लगभग ऐसे 150 cases इकठ्ठा कर लिए, और 1975 में एक किताब लिखी, Life After Life, जिसमें ऐसे experiences को उन्होंने एक नाम दिया: near-death experience.	Book: Life After Life	https://a.co/d/074Li2dg
14	फिर उसे एक लंबी अंधेरी tunnel से गुजरने का अहसास होता है। इसके बाद इंसान अपने ही शरीर के बाहर खड़ा होता है, और ऊपर से doctors को अपने शरीर पर CPR करते हुए देखता है। थोड़ी देर बाद उसे अपने मरे हुए रिश्तेदार और दोस्त दिखने लगते हैं, जो उससे मिलने और उसकी मदद करने आए हैं। और फिर एक रोशनी आती है, एक "being of light", जिसके बाद इंसान की पूरी जिंदगी एक पल में उसके सामने से गुजर जाती है। अंत में इंसान एक तरह के barrier या border पर पहुंचता है, जिसे cross करने के बाद वो दूसरी दुनिया में चला जाएगा। लेकिन उसे वापस आना पड़ता है क्योंकि उसकी मौत का समय नहीं आया होता।	Book: Life After Life	https://a.co/d/074Li2dg
15	India में भी afterlife और near-death-experiences के cases आ चुके हैं। इनमें एक interesting case है Chhajju Bania का। Chhajju की 1970 के दशक में बुखार से मौत हो गई और उसके रिश्तेदार उसके अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे। लेकिन तभी Chhajju जिंदा हो गया और जिंदा होकर उसने जो कहानी सुनाई, वो हैरान करने वाली थी। Chhajju ने दावा किया कि मौत के बाद 4 काले दूत उसके पास आए और उसे यमराज के पास बैठा दिया।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
16	इनमें से एक clerk ने कहा कि हमें Chhajju Bania नहीं चाहिए, हमने Chhajju Kumhar चाहिए। इसे वापस धकेल दो और उस दूसरे को लाओ। इसकी अभी कुछ ज़िंदगी बाकी है। छज्जू ने उन मुंशियों से गिड़गिड़ाकर कहा कि उसे वहीं कोई काम दे दें, पर वापस न भेजें। पास ही एक ऊंची कुर्सी पर, सफेद दाढ़ी में यमराज बैठे थे।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
17	ऐसे ही एक और कहानी Durga Jatav की है। Durga Jatav को typhoid हुआ था। हफ्तों की बीमारी के बाद एक दिन उनका शरीर ठंडा पड़ गया, और उनके घरवालों ने मान लिया कि Durga अब नहीं रहे। लेकिन Durga वापस ज़िंदा हो गए। उन्होंने अपने घरवालों को बताया कि दस लोग उन्हें पकड़कर किसी और ही दुनिया में ले गए। उन्होंने भागने की कोशिश की, तो उन लोगों ने घुटनों के नीचे से उनकी टांगें ही काट डालीं, ताकि वो भाग न सके।	Near-Death Experiences in India: A Preliminary Report - The Journal of Nervous and Mental Disease	https://med.virginia.edu/perceptual-studies/wp-content/uploads/sites/360/2017/01/STE22NDEs-in-India.pdf
18	फिर उन्हें एक ऐसी जगह लाया गया, जहां मेज़ और कुर्सियां लगी थीं, और चालीस-पचास लोग बैठे थे। उन्होंने Durga के "कागज़" देखे और चौंककर कहा: "इसका नाम तो हमारी list में है ही नहीं। इसे यहां क्यों ले आए? वापस ले जाओ।	Near-Death Experiences in India: A Preliminary Report - The Journal of Nervous and Mental Disease	https://med.virginia.edu/perceptual-studies/wp-content/uploads/sites/360/2017/01/STE22NDEs-in-India.pdf

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
19	अब इससे भी shocking बात ये हुई कि Durga के होश में आने के कुछ ही दिन बाद उनकी बहन और एक पड़ोसी ने देखा कि Durga के घुटनों पर गहरे निशान उभर आए हैं। ठीक वहीं, जहां उनके मुताबिक टांगें काटी गई थीं। पहले वहां ऐसा कोई निशान नहीं था। और सिर्फ़ ये दो कहानियाँ नहीं हैं। India में afterlife की ऐसी कई कहानियाँ सामने आई है। इनमें यमदूत किसी इंसान को पकड़कर ले जाते हैं, फिर उनको किसी एक किताब वाले आदमी के सामने पेश किया जाता है, जो हर इंसान का हिसाब-किताब रखता है। फिर पता चलता है कि कोई गलती हो गई है, और गलत आदमी को उठा लिया गया है। और फिर उसे "वापस धकेल" दिया जाता है।	Near-Death Experiences in India: A Preliminary Report - The Journal of Nervous and Mental Disease	https://med.virginia.edu/perceptual-studies/wp-content/uploads/sites/360/2017/01/STE22NDEs-in-India.pdf
20	अब सुनने में ये Religious Books से उठाई गई किसी कहानी जैसी लगती है। हिंदू धर्म में मौत के बाद की यात्रा का गरुड़ पुराण में जिक्र है। इसके मुताबिक, यमलोक पहुंचने पर चित्रगुप्ता मिलता है, जो पूरी जिंदगी का लेखा-जोखा रखता है। इसी खाते को देखकर यमराज तय करते हैं कि आगे किसी के साथ क्या होगा?	Book: Garuda Purana - Devdutta Pattanaik	https://amzn.in/d/0bVQnl1e
21	December 2001 में near-death-experiences को लेकर एक study 'The Lancet' में publish हुई, जो Science के सबसे reputed journals में से एक है।	The Lancet 15th December 2001	https://www.thelancet.com/journals/lancet/article/PIIS0140-6736(01)07100-8/abstract

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
22	इस study में 1988 से 1992 के बीच Netherlands के hospitals में उन 344 मरीजों का interview किया गया, जो cardiac arrest के बाद clinically मर चुके थे और उन्हें CPR देकर दोबारा जिंदा किया गया। हर एक मरीज का पूरा medical record था और interview भी वापस जिंदा होने के सिर्फ 5 दिनों के अंदर लिए गए।	Book: Consciousness Beyond Life	https://amzn.in/d/0dl4fyPf
23	इन 344 में से 62 मरीजों, यानी 18 percent ने clinically dead होने के दौरान Afterlife देखने का दावा किया।	Book: Consciousness Beyond Life	https://amzn.in/d/0dl4fyPf
24	ये बात Medical Science के बहुत basic assumption को challenge करती है। और यहीं पर एक concept आता है: जिसे dependence thesis कहते हैं। इसके मुताबिक, जिंदगी भर हमारा हर mental experience brain पर depend करता है: consciousness, memories, thoughts, feelings- सब brain activity के साथ घटते-बढ़ते हैं।	Book: The Myth of An Afterlife	https://amzn.in/d/0578pJih
25	उनका logic simple है: similar experiences का मतलब है कि ये सब real है। लेकिन Dr Susan Blackmore के मुताबिक यही consistency prove करती है कि ये सब एक एक मरते हुए brain के visions हैं। वो tunnel, जो मरते हुए लोगों को दिखती है, वो हमारी brain cells का कमाल है। हमारे brain में देखने का काम visual cortex करता है, और उसकी wiring की एक खास बात है, उसमें centre vision के लिए बहुत ज्यादा cells होती हैं, और edges के लिए कम cells होती हैं।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
26	ऐसे में जब near death experiences के case में oxygen की कमी से ये cells randomly fire करने लगती हैं तो बीच में यहां ज्यादा cells हैं, वहां ज्यादा रोशनी दिखती है और किनारों की तरफ, जहां cells कम हैं, रोशनी fade होती जाती है। और यही चीज tunnel जैसी दिखती है। Dr Blackmore ने computer पर ऐसी random firing simulate भी की, जिसके बाद screen पर tunnel जैसी shape दिखने लगी। इसी तरह जो गहरी peace और खुशी महसूस होती है, उसके लिए जिम्मेदार हैं endorphins और morphine, जो extreme stress में release होते हैं और peace और well-being की feelings देते हैं।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
27	Afterlife पर यकीन का मतलब है ये मानना कि मौत के बाद भी consciousness जिंदा रहती है। और ये बात Medical Science के बहुत basic assumption को challenge करती है। और यहीं पर एक concept आता है: जिसे dependence thesis कहते हैं। इसके मुताबिक, जिंदगी भर हमारा हर mental experience brain पर depend करता है: consciousness, memories, thoughts, feelings- सब brain activity के साथ घटते-बढ़ते हैं। तो ये मानने की कोई वजह नहीं है कि ठीक मौत के बाद brain पर ये dependence अचानक खत्म हो जाती है।	Book: The Myth of An Afterlife	https://amzn.in/d/0578pJih
28	उनका logic simple है: similar experiences का मतलब है कि ये सब real है।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
29	लेकिन Dr Susan Blackmore के मुताबिक यही consistency prove करती है कि ये सब एक एक मरते हुए brain के visions हैं। वो tunnel, जो मरते हुए लोगों को दिखती है, वो हमारी brain cells का कमाल है। हमारे brain में देखने का काम visual cortex करता है, और उसकी wiring की एक खास बात है, उसमें centre vision के लिए बहुत ज्यादा cells होती हैं, और edges के लिए कम cells होती हैं।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
30	ऐसे में जब near death experiences के case में oxygen की कमी से ये cells randomly fire करने लगती हैं तो बीच में यहां ज्यादा cells हैं, वहां ज्यादा रोशनी दिखती है और किनारों की तरफ, जहां cells कम हैं, रोशनी fade होती जाती है। और यही चीज tunnel जैसी दिखती है। Dr Blackmore ने computer पर ऐसी random firing simulate भी की, जिसके बाद screen पर tunnel जैसी shape दिखने लगी।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
31	इसी तरह जो गहरी peace और खुशी महसूस होती है, उसके लिए जिम्मेदार हैं endorphins और morphine, जो extreme stress में release होते हैं और peace और well-being की feelings देते हैं।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
32	जो पूरी जिंदगी एक पल में दिखती है, वो इसलिए होती है क्योंकि endorphins temporal lobe और limbic system में seizures और random activation cause करता है। ये brain के वो हिस्से हैं, जहां पर memories होती हैं।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
33	इसके अलावा Out-of-body experience (OBE), जिसमें ऐसा लगता है कि आप अपने शरीर से बाहर आ गए हो	Healthline 22nd July 2022	https://www.healthline.com/health/out-of-body-experience
34	दूर से ही अपने शरीर और बाकी दुनिया को देख रहे हो।	National Library of Medicine 18th December	https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC535951/
35	ये brain का breakdown से deal करने का एक तरीका होता है।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
36	असल में जब fighter pilots बहुत तेजी से maneuvers करते हैं तो gravitational force की वजह से उनका heart, brain तक खून और oxygen नहीं पहुंचा पाता और pilots बेहोश हो जाते हैं। इस condition को G-LOC कहा जाता है। इसे समझने के लिए US Navy के James Whinnery ने volunteers को human centrifuge में घुमा-घुमाकर बार-बार controlled तरीके से बेहोश किया।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
37	इन volunteers ने जब अपना experience बताया तो वो बिल्कुल वैसा था, जैसा near death experiences में होता है।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
38	यानी अभी near death experiences में जो होता है, उसे dying brain hypothesis से ज्यादा अच्छे से explain किया जा सकता है।	Book: Dying to Live	https://a.co/d/0hCiBoMU
39	याद कीजिए Pam Reynolds की surgery के दौरान क्या conditions थीं- आंखें tape से बंद थीं, कान speakers से blocked थे, Body temperature 16 degrees था, दिल काम नहीं कर रहा था, और brain में भी सारी activities बंद हो चुकी थीं।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
40	Pam ने बताया कि एक गूंजती हुई आवाज उसे खींचकर शरीर से बाहर ले आई, और वो surgeon के कंधे के पास से operation देखने लगी।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
41	साफ दिखी, जो उसके हिसाब से electric toothbrush जैसी थी। उसने किसी महिला की भी आवाज सुनी, जो कह रही थी कि veins और arteries बहुत छोटी हैं।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
42	फिर उसे रोशनी का एक छोटा सा point दिखा, जो उसे अपनी तरफ खींचने लगा। उस रोशनी में उसे अपनी मरी हुई दादी, uncle और बहुत से ऐसे लोग दिखे, जो "रोशनी के बने हुए" थे।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
43	आखिर में उसके uncle ने उसे धक्का देकर जबरदस्ती उसके शरीर में वापस भेज दिया और वो दूसरे electric shock पर शरीर में वापस आ गिरी।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
44	और सबसे बड़ी चीज, उसे कैसे पता चला कि उसे 2 बार electric shock दिया गया था।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
45	लेकिन उसके आंखों पर तो tape और दोनों कानों में speakers लगे हुए थे, जो हर second में 11 से 33 बार, उतनी ही तेज आवाज कर रहे थे, जितनी एक subway train करती है।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
46	इसके अलावा operation शुरू होने तक सारे instruments, packets में रखे हुए थे, तो Pam के operation के लिए आते वक्त इन्हें देखने की कोई संभावना भी नहीं थी।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En

Sr. No.	Statement	Source	Link to Source
47	खुद Pam का operation करने वाले खुद Dr Robert Spetzler ने 2007 में एक interview में कहा कि उन्हें नहीं समझ आता कि Pam ने operation के दौरान की बातें कैसे बताईं, scientific नजरिए से उनके पास इसका कोई explanation नहीं है।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
48	Dr. Sam Parnia ने AWARE नाम से ये study की।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
49	Hospitals के उन इलाकों में, जहां cardiac arrest सबसे ज्यादा होते हैं, छत के पास ऊंची shelves लगाई गईं, और हर shelf के ऊपर एक image रखी गई, जो सिर्फ ऊपर से, यानी छत की तरफ से नीचे देखने पर दिख सकती थी। कई hospitals में ऐसी लगभग 1,000 shelves लगाई गईं।	Book: Erasing Death	https://amzn.in/d/01WVgr1Q
50	4 साल में US, UK और Austria के 15 hospitals में cardiac arrest से जुड़े 2,060 लोगों पर ये study की गई, जिनमें से 101 मरीजों ने interviews के सारे stages पूरे किए। इन 101 में से 9 ने near-death-experience होने का दावा किया, और 2 के पास अपने कमरे के माहौल की detailed यादें थीं।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
51	लेकिन इससे भी कोई conclusive evidence निकल कर नहीं आया, जो इस बहस को हमेशा के लिए खत्म कर देता लेकिन इन 2 में से 1 इतना बीमार था कि उसका interview नहीं किया जा सका।	Book: Surviving Death	https://amzn.in/d/0ebh09En
52	जहां दूसरे मरीज को cardiac arrest आया, वहां कोई shelf नहीं लग पाई थी।	Book: Erasing Death	https://amzn.in/d/01WVgr1Q